



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 453]
No. 453]

नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर 16, 1990/आश्विन 24, 1912
NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 16, 1990/ASVINA 24, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)
अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर, 1990

नं. 152/90-केंद्रीय उत्पाद-शुल्क

सा.का.मि. 847(अ):—केंद्रीय सरकार, केंद्रीय उत्पाद-शुल्क और
समक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) का धारा 5क की उपधारा
(1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो
जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, पूंजी मास को, जब
उसका प्रयोग ऐसे विनिर्माता निर्यातकों को किया जाता है (जिसे इस
अधिसूचना में इस के पश्चात् "कमांसि निर्यातकर्ता" कहा गया है) जो
उक्त पूंजी मास के आयात के लिए आयात और निर्यात नीति के पैरा
197 के अधीन और उसके अनुसार जारी की गई आयात अनुज्ञप्ति
धारण करता है, केंद्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986
का 5) की अनुसूची में विनिर्दिष्ट उस पर उद्घरणयोग्य समस्त उत्पाद-
शुल्क से, निम्नलिखित गतों के अधीन रहते हुए, छूट देती है, अर्थात्:—

(i) विनिर्माता उक्त, पूंजी मास की निर्यात के पूर्व, उसके कार-
खाने पर अधिकांशित रखने वाले केंद्रीय उत्पाद-शुल्क नद्दायक
कालक्टर के समक्ष,—

(क) कमांसि निर्यातकर्ता के पूर्व में जारी किया गया मुख्य आयात
और निर्यात नियंत्रक का इन आणव का प्रमाणपत्र प्रस्तुत

करता है कि उक्त पूंजी मास उक्त पैरा 197 के उपबन्धों
में विनिर्दिष्ट निर्यात बाध्यताओं को पूरा करने के लिए कमांसि
निर्यातकर्ता द्वारा अपेक्षित है;

(ख) इस आशय का साक्ष्य प्रस्तुत करता है कि कमांसि निर्यातकर्ता
ने उक्त पैरा 197 के उपबन्धों में विनिर्दिष्ट सभी शर्तों और
बाध्यताओं के अनुपालन का बचनबंध करते हुए अनुज्ञापन
प्राधिकारी के समक्ष, यदि इसमें अंतर्निष्ठ छूट न दी गई होती
तो, उक्त पूंजी मास पर उद्घरणयोग्य उत्पाद-शुल्क को पूरी
रकम के लिए वसूल का, जिसके साथ बैंक गारंटी होनी,
निष्पादित किया है;

(ii) उक्त पूंजी मास का विनिर्माता केंद्रीय उत्पाद-शुल्क नियम,
1944 के नियम 173अ द्वारा उद्घरणित उक्त निर्यातों के
नियम 150क और नियम 150ख में विनिर्दिष्ट प्रक्रिया का
अनुसरण करता है।

स्पष्टीकरण : इस अधिसूचना में —

(i) "पूंजी मास" से मास के विनिर्माण के लिए कमांसि निर्यात-
कर्ता द्वारा अपेक्षित कोई संयंत्र, मशीनरी, उपकरण या उपसाधन
अभिप्रेत है;

(ii) "आयात और निर्यात नीति" से समय-समय पर संशोधित
भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की लोक सूचना सं.
1-आईटीसी (पीएन) 90-93, तारीख 30 मार्च, 1990

द्वारा प्रकाशित आयात और निर्यात नीति, अप्रैल, 1990-मार्च, 1993 अभिप्रेत है;

- (iii) "अनुज्ञापन प्राधिकारी" से कोई ऐसा प्राधिकारी अभिप्रेत है जो आयात और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के अधीन बनाए गए आयात (नियंत्रण) अधिवेश, 1955 के अधीन कोई अनुज्ञापन प्रस्तुत करने के लिए सक्षम है।

[फा. सं. 348/57/90-टी. वार. यू.]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 16th October, 1990

NO. 152/90-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 847(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts capital goods, when supplied to a manufacturer exporter (hereinafter in this notification referred to as the "ultimate exporter") holding an import licence issued under and in accordance with paragraph 197 of the Import and Export Policy for importing the said capital goods, from the whole of the duty of excise leviable thereon which is specified in the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), subject to the following conditions, namely:—

- (i) before clearance of the said capital goods, the manufacturer produces before the Assistant Collector of Central Excise having jurisdiction over his factory:—
 - (a) a certificate from the Chief Controller of Imports and Exports issued in favour of the ultimate exporter to the effect that the said capital goods are required by the ultimate exporter for fulfilment of export obligation specified in the provisions of the said paragraph 197;
 - (b) evidence to the effect that the ultimate exporter has executed a bond accompanied by a bank guarantee for full amount of duty of excise leviable on the said capital goods but for the exemption contained herein, before the licensing authority undertaking to comply with all the conditions and obligations specified in the provisions of the said paragraph 197;
 - (ii) the manufacturer of the said capital goods follows the procedure specified in rules 156A and 156B of the Central Excise Rules, 1944 as modified by rule 173N of the said Rules.

Explanation :—In this notification,—

- (i) "capital goods" means any plant, machinery, equipment or accessories required by the ultimate exporter for manufacture of goods;

"Import and Export Policy" means the Import and Export Policy, April 1990—March

1993 published vide Public Notice of the Government of India in the Ministry of Commerce No. 1-ITC(PN) 90-93, dated the 30th March, 1990, as amended from time to time;

- (iii) "licensing authority" means an authority competent to grant a licence under the Import (Control) Order, 1955 made under the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947).

[F. No. 348/57/90-TRU]

सं. 256/90-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 848(ख):—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 220/90-सीमाशुल्क, तारीख 26 जुलाई, 1990 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में:—

- (क) प्रारम्भिक भाग में, "अध्याय 84 या 85" शब्दों और संकों के स्थान पर "अध्याय 84, 85 या 87" शब्द और संक रखे जाएंगे;
- (ख) शर्त (i) के स्थान पर निम्नलिखित शर्त रखी जाएगी, अर्थात्:—
 - (i) भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम, 1981 (1981 का 28) की धारा 3 के अधीन स्थापित भारतीय निर्यात-आयात बैंक का इस आयात का एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करता है कि उस परियोजना का, जिसके लिए प्रारम्भ में मशीनरी का क्रय किया गया था, उक्त बैंक के कार्यकारी समूह द्वारा अनुमोदन कर दिया गया है;

[फा. सं. 348/42/90-टी. वार. यू.]

वार. के. महाजन, प्रवर सचिव

NO. 256/90-CUSTOMS

G.S.R. 848(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 220/90-Customs, dated the 26th July, 1990, namely:—

In the said notification,—

- (a) in the opening portion, for the words and figures "Chapter 84 or 85", the words and figures "Chapter 84, 85 or 87" shall be substituted; and
- (b) for condition (i), the following condition shall be substituted, namely:—
 - (i) a certificate from the Export Import Bank of India established under section 3 of the Export-Import Bank of India Act, 1981 (28 of 1981) to the effect that the project for which the machinery was initially purchased has been cleared by the Working Group of said Bank;

[F. No. 348/42/90-TRU]

R. K. MAHAJAN, Under Secy.